

CHAPTER-VI

टिपटिपवा

2 MARK QUESTIONS

**प्रश्न1.- नीचे कहानी में से कुछ वाक्य दिए गए हैं। इन्हें अपने शब्दों में लिखो।
*टिपटिपवा कौन-सी बला है?**

उत्तर- कौन-सी बला है टिपटिपवा।

2.*पत्नी की बात धोबी को जँच गई।

उत्तर- धोबी को पत्नी की बात समझ आ गई।

3.*शेर बिना चूँ-चपड़ किए भीगी बिल्ली बना धोबी के पीछे-पीछे चल दिया।

उत्तर- धोबी के पीछे-पीछे शेर बिना चूँ-चपड़ किए भीगी बिल्ली बना चल दिया।

4.*जरा पोथी बाँच कर बताइए वह कहाँ हैं?

उत्तर- वह कहाँ है जरा पोथी बाँच कर बताइए।

प्रश्न-5. पोता दादी की गोद में कहानी सुनने के लिए मचल रहा था। तुम किन-किन चीजों के लिए मचलते हो?

उत्तर- मैं भी दादी से कहाँ सुनने के लिए मचलता हूँ। मैं उनसे नए-नए खिलौने लाकर देने के लिए, उनके साथ घर से बाहर जाने के लिए उनकी गोद में चढ़ने के लिए व उनके साथ खेलने के लिए मचलता हूँ।

**प्रश्न-6. हाँ बचवा, न शेरवा के डर, न बघवा के डर। डर तो बस टिपटिपवा का है।
*तुम्हारे घर की बोली में इस बात को कैसे कहेंगे?**

उत्तर- हाँ बेटा, मुझे न शेर का डर है और न ही बाघ का डर है। मुझे तो बू इस पानी के टपकने का डर है।

7.*कहानी में टिपटिपवा कौन था? तुम किस-किस को टिपटिपवा कहोगे?

उत्तर- इस कहानी में टिपटिपवा झोपड़ी से टपकता हुआ वर्षा का पानी है। हम धोबी और उसके मोटे लट्ठे को टिपटिपवा कहेंगे।

प्रश्न-8. धोबी ने शेर को खूँटे से बाँध दिया। सोचो और बताओ, खूँटे से क्या-क्या बाँधा जाता है?

उत्तर- खूँटे से गाय, भैंस, बकरी, ऊँट, बैल, गधा, भैंसा, बछड़ा, हिरन, खच्चर को बाँधा जाता है।

प्रश्न-9 एक कहानी – सभी कहानियाँ

उत्तर- एक तितली – कई तितलियाँ

एक पत्ती – दस पत्तियाँ

एक चूड़ी – ढेरों चूड़ियाँ

एक खिड़की – चार खिड़कियाँ

4 MARK QUESTIONS

प्रश्न-1. इस कहानी में लगता है सभी परेशान थे। बताओ कौन-किस्से परेशान था?

उत्तर- बुढ़िया – झोंपड़ी में टपकते हुए वर्षा के पानी से।

शेर – जोरदार वर्षा और टिपटिपवा से।

धोबी – गधे के गायब होने व न मिलने से।

पंडित जी – घर में भरे वर्षा के पानी को उलीचते-उलीचते थकने से।

प्रश्न-2. यह कहानी एक ऐसे दिन की है जब मुसलाधार बारिश हो रही थी। अगर मुसलाधार बारिश की बजाए बूँदा-बाँदी होती, तो क्या होता? यदि उस रात बूँदा-बाँदी होती तो

उत्तर- बुढ़िया की झोंपड़ी में पानी नहीं टपकता व रात को दादी अपने पोते को कहानी सुनाती। शेर वर्षा से घबराकर जंगल से भाग झोंपड़ी के पीछे नहीं छिपता और न ही धोबी का गधा खोता और न ही पंडित जी अपने घर से पानी उलीच-उलीच कर थकते, न ही धोबी अपने गधे को ढूँढते हुए शेर के पास पहुँचता और न शेर को अपना गधा समझता। इस तरह कहानी ही नहीं बनती।

प्रश्न-3. पानी के टपकने की टिपटिप-टिपटिप आवाज़ आ रही थी।

उत्तर- सोचो और लिखो ये आवाज़ें कब सुनाई पड़ती हैं।

खर्-खर् तेज़ साँस लेने पर	भिन-भिन मक्खी के कान के पास मँडराने पर	ठक-ठक दरवाज़े खटखटाने पर	
चर्-चर् दरवाज़ा खोलने पर	भक-भक आग लगने पर	तड़-तड़ वर्षा की बूँदों के टीन पर गिरने पर	